

आरती श्री गणेश जी की

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा ।
माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा ॥ जय० ॥

धूप चढ़े खील चढ़े और चढ़े मेवा ।
लड्डुअन का भोग लगे, सन्त करें सेवा ॥ जय० ॥

एकदन्त दयावन्त, चार भुजा धारी ।
मस्तक सिन्दूर सोहे, मूसे की सवारी ॥ जय० ॥

अन्धन को आँख देत, कोढ़िन को काया ।
बाँझन को पुत्र देत, निर्धन को माया ॥ जय० ॥
पान चढ़ें, फूल चढ़े और चढ़ें मेवा ।
सूरश्याम शरण आये सुफल कीजे सेवा ॥ जय० ॥

दीनन की लाजराखो शम्भु-सुत वारी ।
कामना को पूरा करो जग बलिहारी ॥ जय० ॥

Ganesh Ji Ki Aarti

Jai Ganesh, Jai Ganesh, Jai Ganesh Deva,
Mata Jaki Parvati, Pita Mahadeva.

Dhoop chadhe, phool chadhe, aur chadhe meva,
Ladduan ka bhog lage, sant karein seva.

Ekadanta dayavanta, chaar bhuja dhari,
Mastak sindoor sohe, mooshak ki sawari.

Andhak ko aankh deta, kodhin ko kaya,
Baanhjan ko putra deta, nirdhan ko maya.

Pan chadhe, phool chadhe, aur chadhe meva,
Surashyam sharan aaye, sukhhal kije seva.

Dinan ki laaj rakho, Shambhu-sut vari,
Kamna ko pura karo, jag balihari.